Passages is the most scoring section in CSAT.
The more you practice yourself, the closer you get to Mains.

CSAT में पैसेज सबसे अधिक स्कोरिंग सेक्शन है ।
जितना खुद अभ्यास करोगे, उतना ही मेन्स के करीब आओगे।

Directions for the following items: Read the following two passages and answer the items that follow each passage. Your answers to these items should be based on the passages only.

Passage (Set-A Q. 30-33)

It is often forgotten that globalization is not only about policies on international economic relationships and transactions, but has equally to do with domestic policies of a nation. Policy changes necessitated by meeting the internationally set conditions (by WTO etc.) of free trade and investment flows obviously affect domestic producers and investors. But the basic philosophy underlying globalization emphasizes absolute freedom to markets to determine prices and production and distribution patterns, and view government interventions as processes that create distortions and bring in inefficiency. Thus, public enterprises have to be privatized through disinvestments and sales; sectors and activities hitherto reserved for the public sector have to be opened to the private sector. This logic extends to the social services like education and health. Any restrictions on the adjustments in workforce by way of retrenchment of workers should also be removed and exit should be made easier by removing any restrictions on closures. Employment and wages should be governed by free play of market forces, as any measure to regulate them can discourage investment and also create inefficiency in production. Above all, in line with the overall philosophy of reduction in the role of the State, fiscal reforms should be undertaken to have generally low levels of taxation and government expenditure should be kept to the minimum to abide by the principle of fiscal prudence. All these are policy actions on the domestic front and are not directly related to the core items of the globalization agenda, namely free international flow of goods and finance.

30 According to the passage, under the globalization, government interventions are viewed as processes leading to
(a) distortions and inefficiency in the economy.
(b) optimum use of resources.
(c) more profitability to industries.
(d) free play of market forces with regard to industries.

31 According to the passage, the basic philosophy of globalization is to
(a) give absolute freedom to producers to determine prices and production.
(b) give freedom to producers to evolve distribution patterns.
(c) give absolute freedom to markets to determine prices, production and employment.
(d) give freedom to producers to import and export.

निम्नलिखित प्रश्नांशों के लिए निर्देश: निम्नलिखित दो परिच्छेदों को पढ़िए और प्रत्येक परिच्छेद के आगे आने वाले प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नांशों के आपके उत्तर इन परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिए।

परिच्छेद (Set-A Q. 30-33)

यह अक्सर भुला दिया जाता है कि विश्वव्यापीकरण केवल अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों और लेन-देन संबंधी नीतियों के बारे में ही नहीं है, बल्कि इसका सरोकार समान रूप से राष्ट्र की घरेलू नीतियों से भी है। अंतर्राष्ट्रीय रूप से (WTO आदि द्वारा) मुक्त व्यापार और निवेश प्रवाह संबंधी नियत दशाओं को पूरा करने हेतु किए गए आवश्यक नीतिगत परिवर्तन प्रत्यक्षतः घरेलू उत्पादकों तथा निवेशकों को प्रभावित करते हैं । किन्तु विश्वव्यापीकरण में अधःशायी आधारभूत दर्शन कीमतों, उत्पादन तथा वितरण प्रतिरूप के निर्धारण के लिए बाज़ारों की अबाध स्वतंत्रता पर बल देता है, तथा सरकारी हस्तक्षेपों को उन प्रक्रियाओं के रूप में देखता है जो विकृति उत्पन्न करती हैं तथा अदक्षता लाती हैं । अतः सार्वजनिक उद्यमों का विनिवेशों तथा विक्रयों द्वारा निजीकरण हो; और अभी तक जो क्षेत्र और कार्यकलाप सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित हैं, आवश्यक है कि उन्हें प्राइवेट क्षेत्र के लिए खोल दिया जाए। इस तर्क का विस्तार शिक्षा तथा स्वास्थ्य जैसी सामाजिक सेवाओं तक है । कामगारों की छंटनी के माध्यम से श्रम-बल का समायोजन करने पर लगे प्रतिबंध हटा लिए जाने चाहिए तथा तालाबंदी पर लगे प्रतिबंधों को हटाकर निर्गमन को अपेक्षाकृत आसान बनाया जाना चाहिए । रोज़गार तथा वेतन बाज़ार शक्तियों की स्वतंत्र गतिविधियों द्वारा शासित होना चाहिए, क्योंकि उनको नियंत्रित करने में कोई भी उपाय निवेश को हतोत्साहित कर सकते हैं तथा उत्पादन में अदक्षता भी उत्पन्न कर सकते हैं। सर्वोपरि रूप से, राज्य की भूमिका में कमी लाने के समग्र दर्शन के अनुरूप, ऐसे राजकोषीय सुधार किए जाने चाहिए जिनसे आमतौर पर कराधान के स्तर निम्न हों तथा वित्तीय विवेक के सिद्धांत के पालन हेतु शासकीय खर्च न्यूनतम हो । ये सब घरेलू स्तर पर किए जाने वाले नीतिगत कार्य हैं तथा विश्वव्यापीकरण कार्यसूची के सारभाग विषयों, यथा, माल और वित्त के स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय प्रवाह से प्रत्यक्षतः संबंधित नहीं हैं ।

30 इस परिच्छेद के अनुसार, विश्वव्यापीकरण के अंतर्गत सरकारी हस्तक्षेपों को ऐसी प्रक्रियाओं के रूप में देखा जाता है, जिनके कारण:
(a) अर्थव्यवस्था में विकृतियाँ और अदक्षता आती है
(b) संसाधनों का इष्टतम उपयोग होता है
(c) उद्योगों को अपेक्षाकृत अधिक लाभप्रदता होती है
(d) उद्योगों के संबंध में बाज़ार शक्तियों की गतिविधि स्वतंत्र होती है

31 इस परिच्छेद के अनुसार, विश्वव्यापीकरण का आधारभूत दर्शन क्या है?
(a) कीमतों और उत्पादन के निर्धारण के लिए उत्पादकों को पूर्ण स्वतंत्रता देना
(b) वितरण प्रतिरूप विकसित करने हेतु उत्पादकों को स्वतंत्रता देना
(c) कीमतों, उत्पादन और रोज़गार के निर्धारण हेतु बाज़ारों को पूर्ण स्वतंत्रता देना
(d) आयात और निर्यात के लिए उत्पादकों को स्वतंत्रता देना

32 According to the passage, which of the following is/are necessary for ensuring globalization?
1. Privatization of public enterprises
2. Expansionary policy of public expenditure
3. Free play of market forces to determine wages and employment.
4. Privatization of social services like education and health

Select the correct answer using the code given below:
(a) 1 only (b) 2 and 3 only (c) 1, 3 and 4 (d) 2, 3 and 4

33 According to the passage, in the process of globalization the State should have
(a) expanding role (b) reducing role
(c) statutory role (d) none of the above roles

Official Answer key: 30 - a 31 - c 32 - c 33 - b

32 इस परिच्छेद के अनुसार, विश्वव्यापीकरण सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा/से आवश्यक है/हैं?
1. सार्वजनिक उद्यमों का निजीकरण
2. सार्वजनिक व्यय की विस्तार-नीति
3. वेतन और रोज़गार निर्धारित करनेकी बाज़ार शक्तियों की स्वतंत्र गतिविधि
4. शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सामाजिक सेवाओं का निजीकरण

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3 (c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

33 इस परिच्छेद के अनुसार, विश्वव्यापीकरण की प्रक्रिया में राज्य की भूमिका कैसी होनी चाहिए?
(a) विस्तृत होती हुई (b) घटती हुई
(c) सांविधिक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Passage (Set-A Q. 52-54)

Many nations now place their faith in capitalism and governments choose it as the strategy to create wealth for their people. The spectacular economic growth seen in Brazil, China and India after the liberalisation of their economies is proof of its enormous potential and success. However, the global banking crisis and the economic recession have left many bewildered. The debates tend to focus on free market operations and forces, their efficiency and their ability for self correction. Issues of justice, integrity and honesty are rarely elaborated to highlight the failure of the global banking system. The apologists of the system continue to justify the success of capitalism and argue that the recent crisis was a blip.

Their arguments betray an ideological bias with the assumptions that an unregulated market is fair and competent, and that the exercise of private greed will be in the larger public interest.

Few recognize the bidirectional relationship between capitalism and greed; that each reinforces the other. Surely, a more honest conceptualisation of the conflicts of interest among the rich and powerful players who have benefited from the system, their biases and ideology is needed; the focus on the wealth creation should also highlight the resultant gross inequity.

52 The apologists of the "Free Market System" according to the passage, believe in
(a) market without control by government authorities.
(b) market without protection by the government.
(c) ability of market to self correct.
(d) market for free goods and services.

53 With reference to "ideological bias", the passage implies that
(a) free market is fair but not competent.
(b) free market is not fair but competent.
(c) free market is fair and competent.
(d) free market is neither fair nor biased.

54 "The exercise of private greed will be in the larger public interest" from the passage
1. refers to the false ideology of capitalism.
2. underlies the righteous claims of the free market.
3. shows the benevolent face of capitalism.
4. ignores resultant gross inequity.

Which of the statements given above is/are correct?
(a) 1 only (b) 2 and 3 (c) 1 and 4 (d) 4 only

Official Answer key: 52 - c 53 - c 54 - c

परिच्छेद (Set-A Q. 52-54)

अनेक राष्ट्र अब पूँजीवाद में विश्वास रखते हैं तथा सरकारें अपने लोगों के लिए सम्पत्ति सर्जित करने की रणनीति के रूप में इसे चुनती हैं। ब्राज़ील, चीन और भारत में उनकी अर्थव्यवस्थाओं के उदारीकरण के पश्चात् देखी गई भव्य आर्थिक संवृद्धि इसकी विशाल सम्भाव्यता और सफलता का प्रमाण है। तथापि, विश्वव्यापी बैंकिंग संकट तथा आर्थिक मंदी कइयों के लिए विस्मयकारी रहा है। चर्चाओं का केंद्रबिन्दु मुक्त बाज़ार संक्रियाओं और बलों, उनकी दक्षता और स्वयं सुधार करने की उनकी योग्यता की ओर हुआ है। विश्वव्यापी बैंकिंग प्रणाली की असफलता को दर्शाने हेतु न्याय, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के मुद्दों का वर्णन विरले ही किया जाता है। इस प्रणाली के समर्थक पूँजीवाद की सफलता का औचित्य ठहराते ही जाते हैं और उनका तर्क है कि वर्तमान संकट एक धक्का था।

उनके तर्क उनके विचारधारागत पूर्वग्रह को इस पूर्वधारणा के साथ प्रकट करते हैं कि अनियंत्रित बाज़ार न्यायोचित तथा समर्थ होता है, और निजी लालच का व्यवहार वृहत्तर लोकहित में होगा।

कुछ लोग पूँजीवाद और लालच के बीच द्विदिशिक सम्बन्ध होने की पहचान करते हैं ; कि दोनों एक–दूसरे को परिपुष्ट करते हैं। निश्चित रूप से, इस व्यवस्था से लाभ पाने वाले धनाढ्य और सशक्त खिलाड़ियों के बीच हितों के टकराव, उनके झुकाव और विचारधाराओं के अपेक्षाकृत अधिक ईमानदार सम्प्रत्ययीकरण की आवश्यकता है। साथ ही सम्पत्ति सर्जन को केंद्रबिन्दु में रखने के साथ उसके परिणामस्वरूप जनित सकल असमानता को भी दर्शाया जाना चाहिए।

52 इस परिच्छेद के अनुसार, "मुक्त बाज़ार व्यवस्था" के समर्थक किसमें विश्वास करते हैं?
(a) सरकारी प्राधिकारियों के नियंत्रण से रहित बाज़ार
(b) सरकारी संरक्षण से मुक्त बाज़ार
(c) बाज़ार की स्वयं के सुधार की क्षमता
(d) निःशुल्क वस्तुओं व सेवाओं के लिए बाज़ार

53 "विचारधारागत पूर्वग्रह" के संदर्भ में, इस परिच्छेद का निहितार्थ क्या है?
(a) मुक्त बाज़ार न्यायोचित होता है किंतु सक्षम नहीं
(b) मुक्त बाज़ार न्यायोचित नहीं होता किंतु सक्षम होता है
(c) मुक्त बाज़ार न्यायोचित और सक्षम होता है
(d) मुक्त बाज़ार न तो न्यायोचित होता है, न ही पूर्वग्रहयुक्त

54 इस परिच्छेद से "निजी लालच का व्यवहार वृहत्तर लोकहित में होगा",
1. पूँजीवाद की झूठी विचारधारा को निर्दिष्ट करता है।
2. मुक्त बाज़ार के न्यायसंगत दावों को स्वीकार करता है।
3. पूँजीवाद के सद्भावपूर्ण चेहरे को दिखाता है।
4. परिणामी सकल असमानता की उपेक्षा करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) 2 और 3 (c) 1 और 4 (d) केवल 4

Passage (Set-A Q. 55-58)

Net profits are only 2.2% of their total assets for central public sector undertakings, lower than for the private corporate sector. While the public sector or the State-led entrepreneurship played an important role in triggering India's industrialization, our evolving development needs, comparatively less-than satisfactory performance of the public sector enterprises, the maturing of our private sector, a much larger social base now available for expanding entrepreneurship and the growing institutional capabilities to enforce competition policies would suggest that the time has come to review the role of public sector.

What should the portfolio composition of the government be? It should not remain static all times. The airline industry works well as a purely private affair. At the opposite end, rural roads, whose sparse traffic makes tolling unviable, have to be on the balance-sheet of the State. If the government did not own rural roads, they would not exist. Similarly, public health capital in our towns and cities will need to come from the public sector. Equally, preservation and improvement of forest cover will have to be a new priority for the public sector assets.

Take the example of steel. With near-zero tariffs, India is a globally competitive market for the metal. Indian firms export steel into the global market, which demonstrates there is no gap in technology. Indian companies are buying up global steel companies, which shows there is no gap in capital availability. Under these conditions, private ownership works best.

Private ownership is clearly desirable in regulated industries, ranging from finance to infrastructure, where a government agency performs the function of regulation and multiple competing firms are located in the private sector. Here, the simple and clean solution—government as the umpire and the private sector as the players is what works best. In many of these industries, we have a legacy of government ownership, where productivity tends to be lower, fear of bankruptcy is absent, and the risk of asking for money from the tax payer is ever present. There is also the conflict of interest between government as an owner and as the regulator. The formulation and implementation of competition policy will be more vigorous and fair if government companies are out of action.

55 According to the passage, what is/are the reason/reasons for saying that the time has come to review the role of public sector?

1. Now public sector has lost its relevance in the industrialization process.
2. Public sector does not perform satisfactorily.
3. Entrepreneurship in private sector is expanding.
4. Effective competition policies are available now.

Which of the statements given above is/are correct in the given context?

(a) 1 and 3 only (b) 2 only
(c) 2, 3 and 4 only (d) 1, 2, 3 and 4

परिच्छेद (Set-A Q. 55-58)

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के निवल लाभ उनकी कुल परिसम्पत्तियों का मात्र 2.2% है, जो प्राइवेट निगम क्षेत्रक की तुलना में कम है। भले ही सार्वजनिक क्षेत्रक या राज्य–संचालित उद्यमवृत्ति ने भारत के औद्योगीकरण को प्रेरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, तथापि, हमारी बढ़ती हुई विकास आवश्यकताएँ, सार्वजनिक क्षेत्रक उद्यमों के संतोषजनक से अपेक्षाकृत न्यून निष्पादन, हमारे प्राइवेट क्षेत्रक में आई परिपक्वता, उद्यमवृत्ति के प्रसार हेतु इस समय उपलब्ध कहीं अधिक व्यापक सामाजिक आधार और प्रतियोगिता नीतियों को लागू कर सकने के बढ़ते हुए सांस्थानिक सामर्थ्य यह सुझाते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्रक की भूमिका के पुनरवलोकन का समय आ गया है।

सरकार का संविभाग–संघटन कैसा होना चाहिए? इसे सारे समय स्थिर नहीं बने रहना चाहिए। विमानन उद्योग पूर्णतः प्राइवेट मामलों की तरह भली–भाँति कार्य करता है। दूसरी तरफ, ग्रामीण सड़कों को, जिनका छुटपुट यातायात पथकर व्यवस्था को अव्यवहार्य बना देता है, राज्य के तुलन–पत्र पर होना चाहिए। यदि ग्रामीण सड़कें सरकार के स्वामित्व में न हों, तो उनका अस्तित्व ही न रहेगा। उसी तरह, हमारे कस्बों और नगरों में लोक स्वास्थ्य पूँजी का सार्वजनिक क्षेत्रक से आना ज़रूरी है। इसी प्रकार, वनाच्छादन के संरक्षण और संवर्धन को सार्वजनिक क्षेत्रक परिसम्पत्तियों की एक नई प्राथमिकता के रूप में होना चाहिए।

इस्पात का ही उदाहरण लें। लगभग शून्य प्रशुल्क के साथ, भारत इस धातु के लिए एक सार्वभौम प्रतियोगी बाज़ार है। भारतीय व्यापार–प्रतिष्ठान विश्व बाज़ार में इस्पात का निर्यात करते हैं, जिससे यह निदर्शित होता है कि प्रौद्योगिकी में कोई अंतराल नहीं है। भारतीय कम्पनियाँ विश्व की इस्पात कम्पनियों को खरीद रही हैं, जो यह दिखाता है कि पूँजी उपलब्धता में कोई अंतराल नहीं है। इन दशाओं में, प्राइवेट स्वामित्व उत्कृष्ट कार्य करता है।

विनियमित उद्योगों में, वित्त से लेकर आधारिक संरचना तक, प्राइवेट स्वामित्व साफ तौर पर वांछनीय है, जहाँ सरकारी अभिकरण विनियमन का कार्य निष्पन्न करे और बहुल प्रतियोगी व्यापार–प्रतिष्ठान प्राइवेट क्षेत्रक में अवस्थित हों। यहाँ, सरल और स्पष्ट समाधान है—सरकार का खेलपंच (अम्पायर) की तरह होना और प्राइवेट क्षेत्रक का खिलाड़ियों की तरह होना ही सबसे अच्छी तरह कार्य करता है। इनमें से अनेक उद्योगों में, सरकारी स्वामित्व की विरासत है, जहाँ उत्पादकता की प्रवृत्ति अपेक्षाकृत कम रहने की ओर है, दिवालियेपन का भय मौजूद नहीं है, और करदाताओं से धन की माँग का जोखिम हमेशा बना हुआ है। इसमें ,सरकार के स्वामी होने और नियामक होने के बीच एक हित–द्वन्द्व भी बना रहता है। यदि सरकारी कम्पनियाँ कार्यरत न हों, तो प्रतियोगिता नीति की रचना और कार्यान्वयन और भी सशक्त और निष्पक्ष होगा।

55 इस परिच्छेद के अनुसार, यह कहने का/के क्या कारण है/हैं कि सार्वजनिक क्षेत्रक की भूमिका के पुनरवलोकन का समय आ गया है?

1. औद्योगीकरण प्रक्रिया में अब सार्वजनिक क्षेत्रक ने अपनी प्रासंगिकता खो दी है
2. सार्वजनिक क्षेत्रक संतोषजनक ढंग से निष्पादन नहीं करता
3. प्राइवेट क्षेत्रक में उद्यमवृत्ति बढ़ रही है
4. अब प्रभावकारी प्रतियोगी नीतियाँ उपलब्ध हैं

दिए गए संदर्भ में, उपर्युक्त में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

56 According to the passage, rural roads should be in the domain of public sector only. Why?
- (a) Rural development work is the domain of government only.
- (b) Private sector cannot have monetary gains in this.
- (c) Government takes money from tax payers and hence it is the responsibility of government only.
- (d) Private sector need not have any social responsibility.

57 The portfolio composition of the government refers to
- (a) Public sector assets quality.
- (b) Investment in liquid assets.
- (c) Mix of government investment in different industrial sectors.
- (d) Buying Return on Investment yielding capital assets.

58 The author prefers government as the umpire and private sector as players because
- (a) Government prescribes norms for a fair play by the private sector.
- (b) Government is the ultimate in policy formulation.
- (c) Government has no control over private sector players.
- (d) None of the above statements is correct in this context.

Official Answer key: *55 - c 56 - b 57 - c 58 - a*

56 इस परिच्छेद के अनुसार, ग्रामीण सड़कों को सार्वजनिक क्षेत्रक के दायरे में ही होना चाहिए। क्यों?
- **(a)** ग्रामीण विकास–कार्य केवल सरकार का अधिकार–क्षेत्र है
- **(b)** इसमें निजी क्षेत्रक को धन लाभ नहीं हो सकता
- **(c)** सरकार कर–दाताओं से धन लेती है, अतः यह सरकार का ही दायित्व है
- **(d)** प्राइवेट क्षेत्रक की कोई सामाजिक जिम्मेदारी होना आवश्यक नहीं है

57 सरकार का संविभाग–संघटन किसे निर्दिष्ट करता है?
- **(a)** सार्वजनिक क्षेत्रक की परिसंपत्ति गुणता
- **(b)** तरल परिसंपत्तियों में निवेश
- **(c)** विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रकों में सरकारी निवेश मिश्रण
- **(d)** निवेश पर प्रतिफल देने वाली पूँजी परिसम्पत्तियों का क्रय

58 लेखक सरकार को खेलपंच (अम्पायर) की तरह और प्राइवेट क्षेत्रक को खिलाड़ियों की तरह होना पसंद करता है, क्योंकि -
- **(a)** सरकार प्राइवेट क्षेत्रक के निष्पक्ष कार्य के लिए मानदण्ड विहित करती है
- **(b)** नीति की रचना के लिए सरकार ही अंतिम सत्ता है
- **(c)** सरकार का प्राइवेट क्षेत्रक में कार्य करने वालों पर कोई नियंत्रण नहीं होता
- **(d)** इस संदर्भ में उपर्युक्त कथनों में से कोई भी सही नहीं है

Passage (Set-A Q. 70,71)

In front of us was walking a bare-headed old man in tattered clothes. He was driving his beasts. They were all laden with heavy loads of clay from the hills and looked tired. The man carried a long whip which perhaps he himself had made. As he walked down the road he stopped now and then to eat the wild berries that grew on bushes along the uneven road. When he threw away the seeds, the bold birds would fly to peck at them. Sometimes a stray dog watched the procession philosophically and then began to bark. When this happened, my two little sons would stand still holding my hands firmly. A dog can sometimes be dangerous indeed.

70 The author's children held his hands firmly because
- (a) they were scared of the barking dogs.
- (b) they wanted him to pluck berries.
- (c) they saw the whip in the old man's hand.
- (d) the road was uneven.

71 The expression "a stray dog watched the procession philosophically" means that
- (a) the dog was restless and ferocious.
- (b) the dog stood aloof, looking at the procession with seriousness.
- (c) the dog looked at the procession with big, wondering eyes.
- (d) the dog stood there with his eyes closed.

इस परिच्छेद के लिए UPSC ने हिंदी अनुवाद नहीं दिया था।
इसलिए, इसका अनुवाद All Inclusive IAS द्वारा किया गया है।

परिच्छेद (Set-A Q. 70,71)

हमारे सामने फटे-पुराने कपड़ों में एक नंगे सिर वाला बूढ़ा आदमी चल रहा था। वह अपने जानवरों को चला रहा था। वे सभी पहाड़ियों से मिट्टी के भारी भार से लदे हुए थे और थके हुए लग रहे थे। उस आदमी के हाथ में एक लंबा चाबुक था जो शायद उसने खुद बनाया था। ऊबड़-खाबड़ सड़क पर चलते हुए वह सड़क के किनारे झाड़ियों पर उगने वाले जंगली बैरीज खाने के लिए बीच-बीच में रुक रहा था। जब वह बीज फेंकता था, तो पक्षी उन पर चोंच मारने के लिए उड़ते थे। कभी-कभी एक आवारा कुत्ता जुलूस को दार्शनिक रूप से देखता था और फिर भौंकने लगता था। जब ऐसा होता, तो मेरे दो छोटे बेटे मेरे हाथों को मजबूती से पकड़े खड़े रहते। एक कुत्ता कभी-कभी वास्तव में खतरनाक हो सकता है।

70 लेखक के बच्चों ने उसके हाथों को मजबूती से पकड़ लिया क्योंकि
- **a)** वे भौंकने वाले कुत्तों से डर रहे थे
- **b)** वे चाहते थे कि वह बैरीज तोड़े
- **c)** उन्होंने बूढ़े आदमी के हाथ में चाबुक देखा
- **d)** सड़क ऊबड़-खाबड़ थी

71 अभिव्यक्ति "एक आवारा कुत्ते ने जुलूस को दार्शनिक रूप से देखा" का अर्थ है कि
- **a)** कुत्ता बेचैन और क्रूर था
- **b)** कुत्ता अलग-थलग खड़ा होकर जुलूस को गंभीरता से देख रहा था
- **c)** कुत्ते ने बड़ी-बड़ी, हैरान आँखों से बारात को देखा
- **d)** कुत्ता आँखें बंद किए वहीं खड़ा रहा

Passage (Set-A Q. 72-75)

Cynthia was a shy girl. She believed that she was plain and untalented. One day her teacher ordered the entire class to show up for audition for the school play. Cynthia nearly died of fright when she was told that she would have to stand on stage in front of the entire class and deliver dialogues. The mere thought of it made her feel sick. But a remarkable transformation occurred during the audition. A thin, shy girl, her knees quaking, her stomach churning in terror, began to stun everyone with her excellent performance. Her bored classmates suddenly stopped their noisy chat to stare at her slender figure on the stage. At the end of her audition, the entire room erupted in thunderous applause.

72 Cynthia was afraid to stand on stage because
- (a) she felt her classmates may laugh at her.
- (b) her stomach was churning.
- (c) she lacked self-confidence.
- (d) she did not like school plays.

73 Cynthia's classmates were chatting because
- (a) it was their turn to act next.
- (b) they were bored of the performances.
- (c) Cynthia did not act well.
- (d) the teacher had no control over them.

74 Cynthia's knees were quaking because
- (a) she felt nervous and shy.
- (b) the teacher scolded her.
- (c) she was very thin and weak.
- (d) she was afraid of her classmates.

75 The transformation that occurred during the audition refers to
- (a) the nervousness of Cynthia.
- (b) the eruption of the entire room in thunderous applause.
- (c) the surprise on the face of her classmates.
- (d) the stunning performance of Cynthia.

UPSC dropped Q 70-75, hence no official answers were given.
Answers by All Inclusive IAS:
70 - a 71 - b 72 - c 73 - b 74 - a 75 - d

परिच्छेद (Set-A Q. 72,75)

सिंथिया एक शर्मीली लड़की थी। उसका मानना था कि वह सीधी-सादी और प्रतिभाहीन है। एक दिन उसके शिक्षक ने पूरी कक्षा को स्कूल के नाटक के ऑडिशन के लिए उपस्थित होने का आदेश दिया। जब सिंथिया को बताया गया कि उसे पूरी कक्षा के सामने मंच पर खड़ा होना होगा और संवाद बोलना होगा तो वह डर से लगभग मर ही गई थी। इसके बारे में सोचने मात्र से वह बीमार महसूस कर रही थी। लेकिन ऑडिशन के दौरान एक उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ। एक पतली, शर्मीली लड़की, जिसके घुटने काँप रहे थे, उसका पेट डर के मारे हिल रहा था, उसने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। उसके ऊबे हुए सहपाठियों ने अचानक मंच पर उसकी पतली काया को देखने के लिए शोर-शराबे वाली बातचीत बंद कर दी। उसके ऑडिशन के अंत में पूरा कमरा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

72 सिंथिया मंच पर खड़े होने से डर रही थी क्योंकि
- **a)** उसे लगा कि उसके सहपाठी उस पर हसेंगे
- **b)** उसका पेट हिल रहा था
- **c)** उसमें आत्मविश्वास की कमी थी
- **d)** उसे स्कूल के नाटक पसंद नहीं थे

73 सिंथिया के सहपाठी बातें कर रहे थे क्योंकि
- **a)** अभिनय करने की अगली बारी उनकी थी
- **b)** वे प्रदर्शन से ऊब चुके थे
- **c)** सिंथिया अच्छा अभिनय नहीं कर रही थी
- **d)** शिक्षक का उन पर कोई नियंत्रण नहीं था

74 सिंथिया के घुटने कांप रहे थे क्योंकि
- **a)** वह घबराई हुई और शर्माई हुई थी
- **b)** शिक्षक ने उसे डांटा था
- **c)** वह बहुत पतली और कमजोर थी
- **d)** वह अपने सहपाठियों से डरती थी

75 ऑडिशन के दौरान जो परिवर्तन हुआ उसका तात्पर्य है
- **a)** सिंथिया की घबराहट
- **b)** तालियों की गड़गड़ाहट में पूरे कमरे का गूंजना
- **c)** उसके सहपाठियों के चेहरे पर आश्चर्य
- **d)** सिंथिया का शानदार प्रदर्शन

UPSC ने Q 70-75 ड्रॉप किए थे, इसलिए आधिकारिक उत्तर नहीं दिए थे

Practice these questions yourself after gap of 1 week. See official answer key from here
1 सप्ताह के अंतराल के बाद इन प्रश्नों का अभ्यास स्वयं करें। आधिकारिक उत्तर कुंजी देखें
https://allinclusiveias.files.wordpress.com/2024/02/csat-official-answer-key-till-2022.pdf